सेंट्रल विवि में बिरसा मुंडा भाषा और संस्कृति महोत्सव का हुआ आगाज

जनजातीय संस्कृति-परंपरा से सराबोर हो उठा सीयूजे कैंपस

विशेष संवाददाता ● रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड का ब्रांबे परिसर जनजातीय संस्कृति और परंपरा से सराबोर हो उठा. विवि के लुप्त प्राय भाषा विभाग के तत्वावधान में कैंपस में तीन दिवसीय बिरसा मुंडा भाषा और संस्कृति महोत्सव का आगाज हुआ. इसे झारखंड सरकार की कला व संस्कृति विभाग का भी सहयोग प्राप्त है. महोत्सव का उदघाटन मंगलवार को राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के अध्यक्ष नंद कुमार साय ने किया.

श्री साय ने कहा कि जनजातीय परंपरा और उनकी अपनी संस्कृति की अलग ही पहचान है. इस विवि में स्थित लुप्त प्राय भाषा केंद्र को स्थायी करने पर विचार होगा. उन्होंने जनजातीय संस्कृति की महत्ता पर जोर दिया और जनजातियों की शिक्षा को बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही. परिसर में इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 32 जनजातियों का आगमन होगा, जहां सभी एक-दूसरे की संस्कृति और परंपरा को जान व समझ सकेंगे. इस अवसर पर जनजातीय समुदायों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा. इस महोत्सव में जनजातीय भाषा के स्थानीय साहित्यकार भी अपने विचार प्रकट करेंगे. साथ ही आदिम जनजाति समुदाय भी इस महोत्सव में हिस्सा लेंगे.

नृत्य से मन मोहा

मुंडारी नृत्य, छउ नृत्य, उरांव गीत-नृत्य, मुंडारी गीत आदि प्रस्तुत किये गये. इस महोत्सव में जनजातीय विषयों पर आधारित पुस्तकें भी रखी गयी हैं. परिसर में खाने-पीने के स्टॉल भी लगाये गये हैं. इसमें जन जातीय खान-पान की व्यवस्था की गयी है. इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ नंद कुमार यादव इंदु, डॉ रोमा यादव, डॉ सीमा ममता मिंज, डॉ रमेश उरांव, गुंजल आइ मुंडा, जोया खालिद, विक्रम जोरा, पुष्पा तिग्गा, शिल्पा, अभ्युदय, अरूण पांडेय, प्रशांत, सुधांशु शेखर उपस्थित थे.

बिरसा मुंडा भाषा और संस्कृति महोत्सव का उदघाटन करते राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के अध्यक्ष नंद कुमार साय और अन्य.